3. आओ सीखें वर्ण

वर्ण ज्ञान भाषा की सर्वप्रथम सीढ़ी होती है। बच्चे वर्णों के ज्ञान तथा उनके उच्चारण में जितने कुशल होंगे; उनकी भाषा पर पकड़ उतनी ही मज़बूत होगी।

शिक्षण-संकेत

- ❖ शिक्षक/शिक्षिका सर्वप्रथम पृष्ठ 8 पर दिए गए चित्र को दिखाकर बच्चों से जानें कि उसमें क्या गतिविधि हो रही है।
- ❖ बच्चों द्वारा उत्तर देने के बाद उन्हें समझाएँ कि रमन और रमा इन नामों में क्या-क्या आवाज़ें या ध्वनियाँ हैं। समझाएँ, ये ध्वनियाँ ही वर्ण होती हैं।
- ❖ इसे और स्पष्ट रूप से समझाने के लिए कक्षा के कुछ बच्चों का नाम बोलकर बच्चों से उन नामों के वर्ण बताने को कहें।
- ❖ तदुपरांत वर्णमाला के बारे में भी बताएँ।
- ❖ उन्हें बताएँ, वर्णमाला में स्वर तथा व्यंजन दो प्रकार के वर्ण होते हैं।
- ❖ पहले स्वयं स्वर वर्णों का उच्चारण करें तदुपरांत बच्चों से करवाएँ। उच्चारण अपने साथ-साथ भी करवाया जा सकता है। इससे बच्चे आसानी से तथा सही उच्चारण कर पाते हैं।
- ❖ स्वरों के उच्चारण के बाद व्यंजनों का उच्चारण अभ्यास करवाएँ।
- ❖ कठिन वर्णों जैसे– **ङ, ञ, ण** के उच्चारण पर अधिक बल दें।
- ❖ बच्चों को वर्णमाला में स्वर तथा व्यंजनों की संख्या से भी अवगत कराएँ।
- ❖ बच्चों से वर्णों की बार-बार आवृत्ति करवाएँ। प्रत्येक बच्चे पर ध्यान दें कि वह वर्णों का सही उच्चारण कर पा रहा है या नहीं।
- ❖ प्रत्येक बच्चे पर अपना ध्यान दें।
- ❖ शिक्षिका/शिक्षक बच्चों को संयुक्त व्यंजनों– **क्ष, त्र, ज्ञ, श्र** के बारे में बताएँ। इनके उच्चारण पर ज़ोर दें। इन वर्णों की रचना के बारे में भी बताएँ।
- ❖ 'आपने सीखा' द्वारा पढ़ाए गए पाठ के बिंदुओं की दोहराई करवाएँ।
- ❖ पाठ अभ्यास करवाते समय ध्यान दें कि प्रत्येक बच्चा वर्णों को ठीक प्रकार समझ चुका है अथवा नहीं। बच्चों से कहें कि वे वर्णों का उच्चारण ज़ोर से करते हुए सभी वर्ण लिखें तथा वर्णों की रेलगाड़ी में छूटे हुए वर्ण भरें।